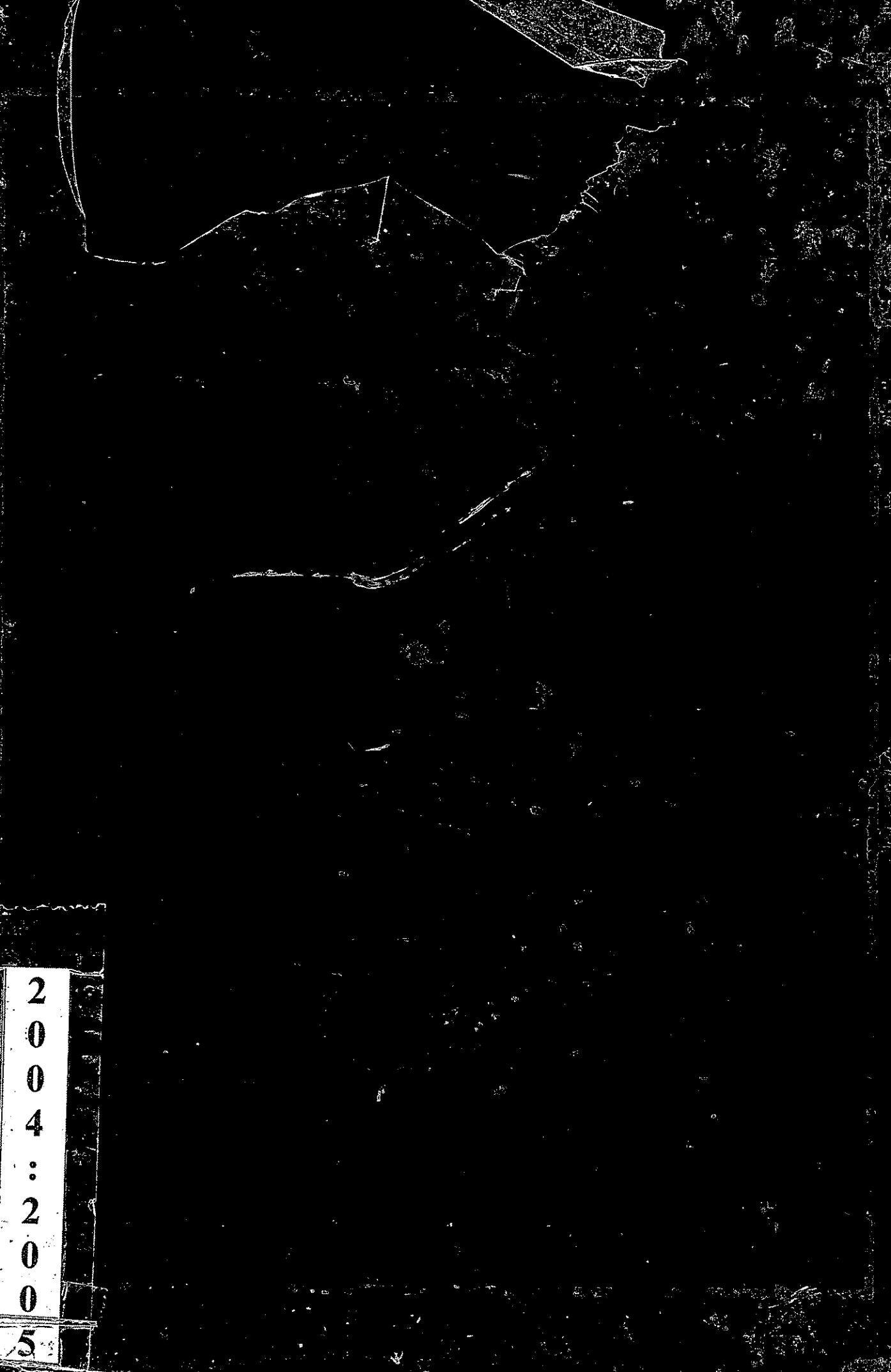

2004:2005

"प्रारंभिक विद्यालयों के शिक्षकों में जनतंत्रात्मक मूल्य का अध्ययन"

D- 193

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) उपाधि की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघुशोध प्रबंध

2004–2005

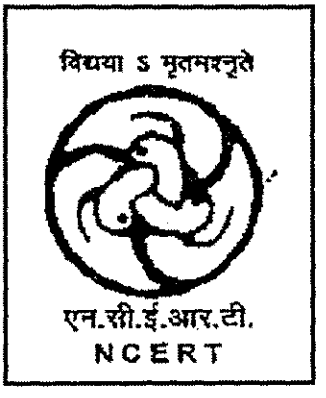

निर्देशकः
डॉ. बी. रमेश बाबू
प्रवाचक शिक्षा विभाग

शोधकर्ता
शीतल काले
एम.एड. (छात्रा)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी.) श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **शीतल काले** ने क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल में एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) उपाधि प्राप्त करने हेतु प्रस्तुत लघु शोध कार्य ''प्रारंभिक विद्यालयों के शिक्षकों में जनतंत्रात्मक मूल्य का अध्ययन'' मेरे निर्देशन में विधिवत् रूप से पूर्ण किया गया है। यह शोध कार्य इनके अथक परिश्रम, लगन एवं निष्ठा से किया गया मौलिक प्रयास है।

प्रस्तुत लघु शोध-प्रबंध बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की सन् 2004-2005 की शिक्षा में स्नातकोत्तर उपाधि परीक्षा की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत किये जाने योग्य है।

स्थान - भोपाल
दिनांक - 7/4/05

निर्देशक

(डॉ. बी. रमेश बाबू)
प्रवाचक शिक्षा विभाग
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

Regional Institute of Education
LIBRARY
Bhopal

आभार-ज्ञापन

प्रस्तुत शोध कार्य की पूर्णता के लिए मैं अपने निर्देशक डॉ. बी. रमेश बाबू की कृतज्ञ हूँ, जिन्होंने अत्याधिक व्यस्तता के बावजूद भी अपने सौहार्दपूर्ण व्यवहार के द्वारा मेरी कठिनाईयों का निराकरण किया एवं मुझे प्रगति की ओर अग्रसर करते रहे। यह शोध-ग्रंथ आपके ही मार्गदर्शन का प्रतिफल है। आपके द्वारा धैर्य पूर्वक प्रदत्त आत्मीयता, वासल्य पूर्ण सहयोग एवं मार्गदर्शन अविस्मरणीय रहेगा।

मैं आदरणीय प्राचार्य डॉ. एम.सेन, गुप्ता, अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष डॉ. (श्रीमति) अविनाश ग्रेवाल के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ, डॉ. लक्ष्मीनारायण सर, त्रिपाठी सर, सुनीती खरे मॅडम के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ, जिन्होंने प्रोत्साहन एवं मार्गदर्शन देकर इस शोध कार्य को सम्पन्न करने में पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

मैं अपने विभाग के सभी गुरूजनों की हृदय से आभारी हूँ जिनसे मुझे परामर्श एवं सहयोग प्राप्त हुआ है।

मैं उन समस्त विद्वानों की आभारी हूँ, जिनसे मुझे परामर्श एवं सहयोग प्राप्त हुआ है।

मैं उन समस्त विद्वानों की आभारी हूँ जिनके ग्रंथों का संदर्भ ग्रंथ के रूप में प्रयोग किया है।

मैं पुस्तकालयाध्यक्ष तथा समस्त पुस्तकालय परिवार को उनके द्वारा दिये गये सहयोग के लिए धन्यवाद देती हूँ।

मैं अपने परिवार के सभी सदस्यों तथा अपने सभी साथियों को सहयोग के लिए धन्यवाद देती हूँ।

शोधकर्ता

शीतल काले

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,

भोपाल

Regional Institute of Education
LIBRARY
Bhopal

अनुक्रमणिका

अध्याय	शोध परिचय	पृष्ठ क्र.
प्रथम 1.1	भूमिका	1-31
1.2	शिक्षक का अर्थ	
1.3	भारतीय संविधान और राष्ट्रीय मूल्य	
1.4	जनतंत्र की परिभाषा	
1.5	मूल्य की परिभाषा	
1.6	जनतंत्र के मूल तत्व	
1.7	जनतंत्र के विभिन्न पहलू	
1.8	जनतंत्र में शिक्षा की आवश्यकता	
1.9	जनतंत्र में शिक्षा का महत्व	
1.10	जनतंत्रीय शिक्षा के लक्ष्य	
1.11	भारत में जनतंत्र के लिए शिक्षा	
1.12	माध्यमिक शिक्षा आयोग के अनुसार शिक्षा के लक्ष्य	
1.13	पाठ्यक्रम में सुधार	
1.14	विद्यालय प्रशासन में सुधार	
1.15	शिक्षण विधि में सुधार	
1.16	अनुशासन की स्थापना	
1.17	समस्या कथन	
1.18	समस्या का सीमांकन	
1.19	शोध के उद्देश्य	
1.20	शोध कार्य की परिकल्पना	
द्वितीय	संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन	32-42
2.1	भूमिका	
2.2	साहित्य के पुनरावलोकन से लाभ	
2.3	संबंधित साहित्य	
2.4	उपसंहार	

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

तृतीय	शोध प्रविधि	
3.1	भूमिका	43-49
3.2	शोध डिजाइन	
3.3	न्यादर्श	
3.4	उपकरण का विवरण	
3.5	निर्देशात्मक सलाह	
3.6	विश्वसनीयता	
3.7	वैधता	
3.8	स्कोरिंग के निर्देश	
3.9	प्रदत्तों का संकलन	
3.10	सांख्यिकीय विधियाँ	
चतुर्थ	प्रदत्तों का विश्लेषण	50-63
पंचम	सारांश एवं निष्कर्ष	64-67
5.1	भूमिका	
5.2	प्रस्तुत अध्ययन	
5.3	शीर्षक	
5.4	अध्ययन के उद्देश्य	
5.5	परिकल्पनाएँ	
5.6	न्यादर्श	
5.7	उपकरण तथा तकनीक	
5.8	मुख्य परिणाम	
5.9	सुझाव	
	संदर्भ ग्रंथ	
	परिशिष्ट	

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal